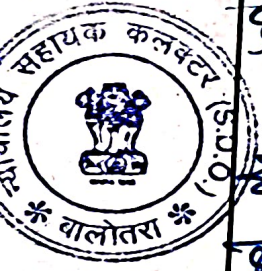



15.12.2015 वकील वादी उपस्थित। प्रतिवादी पर अनु।

वकील वादी की बहल सुनी गई। दोराने
उक्त वकील वादी ने निवेदन किया
कि विवादि जूनि में वादी की सुल्फ
वंशासद नाम दर्ज हो रखा है, यद्यपि
वास्तविक नाम अंशीलक है। अनु. 1201
पं. 1201 में भी वादी का वास्तविक
नाम अंशीलक नाम दर्ज हो रखा है,
लेकिन विवादि जूनि में अशुद्ध नाम
दर्ज होने के कारण वादी को अपूर्णतः
कमि हो रही है। अतः वादी की वादि
संज्ञित किया जाए वास्तविक जूनि में
अशुद्ध नाम वंशासद के लिये पर अंशीलक
सुल्फ, किया जावे।

इसने वकील वादी की बहल सुनी
उक्त बहल पर प्रश्न किया तथा जवाबकी
का माफीला पूर्वक अवलोकन किया। अतः
पापा की वास्तविक जूनि के अनुसार
वास्तविक रूप में वादी का नाम वंशासद




सहायक कलक्टर
(S.D.O.) बालोतरा

दिख
स

हुक्म या कार्यवाही अथ इतिशियत्य जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस हुक्म
की तामील में जारी हुए

हुक्म पोखरजी 43 तहसीला साह्यातदारी में
दफ्तार है। जवदि मन्ज साह्यातदारी दस्तावेजान्
प्रदर्श 03- पोखर साहि, प्रदर्श 04- 0 साह्यातदारी
प्रदर्श 05- जन साह्यातदारी, प्रदर्श 06- परिवा
साह्यातदारी में बाकी का नाम बंशीलाल
अंकन है। इसके अलावा बाबूलाल भूमि के
साह्यातदारी अर्थात् सांख्या 02 व 06 के भी
वादी का वास्तविक नाम बंशीलाल होना
सहीतर कीता है। इन प्रकार वादी काय
अपने दस्तावेजों साह्यातदारी से साह्यातदारी
कीता है, कि बाबूलाल भूमि में वादी का
अर्थात् नाम दफ्तार है, जो की वादी दस्तावेजों
अर्थात् का हकदार है। उल्लिखित वादी
का वाद स्वीकार कीता जाकर नाम अर्थात्
तहसील पंचपदता की तहत तबलत गठित
1455/510 हैं, साह्यातदारी रिपोर्ट (बाबूलाल)
में बाबूलाल नाम बंशीलाल पुत्र पोखरजी के
अर्थात् 42 अर्थात् नाम अर्थात् बंशीलाल पुत्र
पोखरजी की दस्तावेजों अर्थात् जो के अर्थात्
अर्थात् है। अर्थात् अर्थात् रहेगा। तदनुसार
अर्थात् जारी हो। तहसीलदार पंचपदता
को अर्थात् अर्थात् जाता है, की 265201
साह्यातदारी रिपोर्ट में निम्नांकित अर्थात् अर्थात्
अर्थात् अर्थात् अर्थात् अर्थात्



पत्रावली अर्थात् अर्थात् अर्थात् अर्थात्
दस्तावेज 0)

सहायक कलक्टर
(S.D.O.) बालोतरा